

The Gazette of India

असाधारग EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4 PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ਲਂ. 2]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 1, 1989/भाघ 12, 1910

No. 3]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 1, 1989/MAGHA 12, 1910

इत माग में भिन्न पृथ्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप तें रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate corapilation

भौद्योगिक श्रीर वित्ताय पुनर्निर्माण बोर्ड

श्र धिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1989

- सं. 1(3) वी आई एक आर/वी सी/88:---ग्रौडोगिक ग्रौर वित्तीय पुर्निर्माण बोर्ड, रूप्ण ग्रौडोगिक कस्पनी (विशेष प्रबंध) ग्रिडिनियम, 1985 (1986 का 1), की धारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रौडोगिक ग्रौर वित्तीय पुर्निर्माण बोर्ड विनियम 1987 का ग्रौर संशोधन करते के किए निम्निलिखित विनियम बनाता है ग्रायित :---
 - 1. संक्षिप्त ताम और आरम्स (1) इन निनियमों का संक्षिप्त नाम श्रीबोगिक भीर निसीय पूर्नानमाँग बोर्ड (संबोधन) निनियम 1988 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - 2. भौद्योगिक भीर विलीय पुनर्निर्माण बोर्ड विनियम, 1987 में, (क) विनियम 19 में,
 - (i) उपवितियम (1) में ''उतके तथ उसकी दस श्रीर प्रतियां लगी होंगी'' मन्दों के स्थान पर ''उसके साथ उसका पाच श्रीर प्रतियां उसके सभा संजयकों में ते प्रत्येक की चार प्रतियों सहित, लगी होंगी'', भव्द रखे आएंगे।
- (ji) उन निर्मात (2) में "उनके ताथ उनको दन और प्रतियां लगी होंगी" मध्यों के स्थान पर "उसके साथ उसकी पांच भीर प्रतियां उसके सभी तंत्रस्तकों में ते प्रत्येत को नार प्रतियों तिहत, लगी होंगी", प्राध्य रखे आएंगे ।

(iii) प्रक्रम "क" "ब" मीर"व" के स्थान पर निम्निभिषित प्रक्रम रखे जाएंने, सर्वात् :---

प्रकृष---क

(क्रपया विनियम 19 वेखें)

टिप्पणी: नीचे दी गई विक्रिष्टिया अञ्चल स्थित बताएंगी अन तक कि प्रश्तावली में प्रस्थया विनिधिष्ट नही । विलीय झांकड़े काख कपयों में उपर्यागत करे ।

- 1. इस्तिमा देने माले का नाम/पदाधिधान भीर पता
- धौधौषिक्ष कम्पनी का नान/ पता
- (क) प्रधान कार्यासय
- (ब) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय
- (ग) कारजाना या कारखाने
- 3. (क) कम्पनी सिंधिनियम, 1958 के मधीन कम्पनी के रिजस्ट्रीकरण का संक्यांक मीर तारीख मीर वह राज्य जिसमें रिजस्ट्रीकत है। रिजस्ट्रीकरण प्रवाचपन्न की एक प्रति संवान करें।
- (ख) कारलाता अधिनियम, 1948 के प्रधीन सभी कारखानों/कारखाने के रिजस्ट्रीकरण का संख्यांक और तारीख और वे राज्य/वह राज्य विनमें/जिसमें रिजस्ट्रेक्स हैं/है।
- (म) खबोग (विकास और वितियन) पश्चितियम 1951 के अभीत प्रनुसूचित उद्योग/उद्योगीं का/के शीर्षक अभवत उपयीर्षक जिससे/जिनसे विनिधित या विनिधित किए जाने के लिए प्रस्तावित वस्तु/वस्तुएं सम्बंधित हैं।
- (च) उद्योग (विकास माँर विनियमन) अधिनियम 1951 के शबीन रिजस्ट्रीकरण या मनक्ति की संख्या भीर तारीख यदि कम्पनी तकनीकी विकास महानिदेशालय के पास रिजस्ट्रीकरण का संख्यांक भीर तारीख भी उपदींगत की जानी लाहिए। रिजस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या अनक्षित की एक प्रति संस्था करें।
 - (क) क्या उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) ग्रधिनियम 1951 की खारा 3 के खण्ड (क क) के ग्रयन्तिगैत जनुवंशिक श्रीद्योगिक उगअन है---हां/महीं
- (च) क्या उच्चोग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम 1951 की धार। 3 केखंड (श) में यथा परिभाषि। सचु उच्चोग उपकार है। कृपया संयेत और वर्शीनरी में विनिचान का अस्तेख करें। क्या (अवकायन से पहले) स्त्रामित्व के निजन्धनों पर या पड़े पर या भाश क्रय पर धारत थी हां/नहीं
 - (क) संप्रवर्तक/संप्रवर्तकों का/के नाम और असका पता/ जनके पते
 - (सा) सभी नगों के शेयरों की गेयर धारण पढित

रकन कुल समायस्त पूंजी का प्रतिगत

- (i) संप्रवर्तक
- (ii) बह्योगी
- (iii) सरकारी विलीय संस्थान (संस्थावार)
- (iv) राज्य स्तर की बंस्या तवेंब
- (v) बैंक (बैंकार)⁸ तर्वेय
- (vi) साधारेम चनवा
- (ग) सबसे नहें 10 में यर झारकों के स्पीरे

(कृपवा प्रत्येक के सामने दशित करें कि क्या संप्रवर्तक/संहयोगी है। बारक करूपनी/समूह करूपनी है)

- सेक्टर: प्राव्येट/संगुक्त
- (ख) मुख्य कार्यपालक का नाम घीर चाहे जिस नी नाम से शात हो ।
- 7. (क) कम्मनी के रिजस्ट्रीकरच से कारवार का/के मुख्य क्षेत्र/कियाकलाप क्षपया संगम क्रापन की एक प्रति संलग्न करें।
- (च) भ्रत्य अनुषंगी कारबार/क्रियाकसाप।
- क्या ऐसी कम्पनी है, जिसको एकाधिकार तथा भवरोधक व्यापारिक व्यवहार भिधिनियम लागू होता है? हां/नहीं
- क्या वृंसी कम्पनी है, जिसको विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रीधिनियम लागू होता है?

स्1/नहा

10. क्या किसी दूसरी कम्पनी की समनुवंती है यदि हां तो नियंकी कम्पनी का नाम व पता नियंकी कम्पनी के कारवार की प्रकृति, नेयरधारण पैटनें, संवक्तिक तथा प्रवक्तमं क्र इत्यावि ।

11. 4	मी संरचना . ~~				संयक्ष	म्रुप	े पी	τ	
	आधिकृत पूंजी								
	श्रधिमानी सेयर								
	मामूली शेयर								
	भास्यगित शेयर								
	किसी भन्य वर्ग के शेया	₹							
(2)	निर्गमित पूंजी								
	अधिमानी गोयर								
	मामूली शेयर								
	भास्यगित ग्रेयर								
	किसी घन्य वर्ग के सेय	र							
(3)	समादत्त पूंजी								
	भधिमानी शेयर								
	मामूली शेयर								
	घास्पगित शेयर								
	किसी भ्रम्य वर्ग के शेम	τ							
12. स्थिति (कम्प		सभी कम्पनियों के नाम	स्थापते/उनके वि	व्याकला	प की ब्रह्मीत तथा भा	न्धम भेखा परी	श्रीत तुलन पक्ष	के चनुसार विश	ीय
(খ্য	सभावस्त पूंजी								
,	शुद्ध मासियत								
	विक्रय								
	मुद्ध जाम								
(₮)	लोक वित्तीय संस्थाओं ^ह	चे ज्यार							
(4)	वै कों से उद्यार								
13.		को आरक्षितियां भौर	सचित हानियां						
(1)	बुली व्यरिक्षितिया (प	प्रमण भौधोगिक कं पनी) ((विक्रेथ उपनग्छ) म	धिनि य	र्व 1985 की झारा अ	(i) (च) (स्प	प्टीकरण (jii)	के मनुसार)	
(2)	प्रन्य ब्राय्धितियो (प्रत	येक ग्राराक्षति का स्व क् प	भीर नाग विया अ	।ए)					
(3)	नवीनतम गुनन-पत्न के	्रभुकार संभित्त हानिया							
		पाल, कानूनी भीर भाष रक्षिम भये ऐंगे सुभी के				काया के क्षिए ह	से वा-जोबा देने	के पश्चात् सॉन	ল
14-	थिसौय स्थिति (अन्ति	म को लेखाधिपरीक्षिति तु	सन-पर्जी के अनुसा	t					
	वाभित्य '	को	को		भास्त्रिया		की	की	
(年)	समावस्त पूंजी			(₹)	नियत भास्तिया				
(a)	भारशितिगा			(B)	चालू से भिष्न धारितयां				
(π)	व्यविधिक यागिस्व			(₹)	चालू झारितमा				
(v)	जालू वायित्व			(ল)	सम्य				
(▼)	चम्य			(ব)	मान और हानि सेवा ं	मतिखेष			
	e e general								
<i></i>	जाड़ · · · · · · · · ·				A10				-

^{15.} सुतंगत जिलीय वर्ष (अर्थात् कस्पनी की उस वार्थिक सोधारण बैटक को गारीख, जिसमें उस विलीय वर्ष के जिल् केकाओं को जनुमीदित किया गया भा, जिसके बन्त में शुद्ध मालिया गून्य प्रमणा इससे कम हो गई।

स्वित्व को से आविता को को को आविता को स्थान स्विता (क) सकरवात पूर्वी (क) प्रवादिकायों (क) प्राप्त किया किया (क) प्राप्त किया किया किया किया किया किया किया किया	18.(1)	भन्तिम दोवपी के लिए उ	ग लका स नस्तिम तुलन ।	पक्ष/पक्षों के नृक्षार विश्त	ोय स्थिति यदि उनकी	सम्यक्रूप धेसंपरीक्षान	====================================
(क) अगानी किया जारियत (त) जारिया	यांगि	परम	को	को आ	^{हित्} यां	की	की
(ल) पार्चाविक विशेष्य (ल) पार्च प्राप्त (ल) पार्च प्राप्त (ल) पार्च प्राप्त (ल) पार्च प्रमुद्ध (ल) पार्च (ल) (ल) (ल) पार्च (ल) पार्च (ल)				, ,			
(व) वाय (वि) प्रया (व) वाय प्रशिक्ष (व) प्रया (व) वाय भी है । योह योह योह योह योह योह योह योह	, ,						
(क) याथ भीर हाणि लेका शांतिक व कोड गोइ (2) यह तारीक जिसको कम्मती के निरेज्ञक बीजे में कम्मती के बारे में उसके राण होने के सम्बाद में 15-5-87 के प्रवाद राग बनायी । 17. रिफ्ले दो बनों की मतक हारियां (धर्मात् सम्बद्धायण से पहले परस्तु, ब्याब मस्मारित करने के पश्चाद) (3) को समान्त हुए दिगोध वर्ष के सिए (3) को समान्त हुए दिगोध वर्ष के सिए (31) को समान्त हुए दिगोध वर्ष के सिए (32) कर मात्र सात की पुष्टि करें कि सम्बद्धार आब मारा सम्बद्धी कानूनी देस भीर प्रत्य क्ष्मयों के दिशाय मंदि की गई है हो जनकी मस्मार रुप्ती तथा वाले तथा वहां है हो जनकी मस्मार रुप्ती तथा वाले कारण दिए कार्य ! (48) उपका मून मित्रित (क्ष्म की मीत्र है हो जनकी मस्मार रुप्ती तथा वाले कारण दिश कार्य ! (49) भारित प्रताय कर्म वें (49) भारित वितीय वर्ष के भारत में बूँच मानियत 10- वर्षा वर्ष हो गर्मी है ध्यवा पत्र पहीं है : (मर्थक वर्षाव/एकक ममाण वितीयक की जारण) म्याव्यक होता देव माने ने हार्या दिनि देश की नो सीच हाल होने तारीक से संविधिक होता महिए ! 20- व्यव्यक्त वें को भीच्य; (हाल होनी कारोब को इतिया, होने मात्र के द्वारा वितियक कि ना से कारण होने के सारण होने के सारण वितियक कि ना सारण होने के सारण रुप्ती कारण होने कारण को होता को संविधिक होना मात्रिए ! (5) (4) (7) (9) (7) (9) (7) (9) (9) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1	` '				भारतया		
(2) बहु तारीख जिसको कम्पनी के निदेवक बोर्च ने कम्पनी के बारे में उसके याण होने के सम्बन्ध में 15-5-87 के प्रश्नाद राज बनायी । 17. पिछते दो बनों की नरव हानिया (पंतर्ग प्रवक्षण से पहले परम्यु स्वाय प्रसारित करने के प्रश्नाद) (i) को तसानत हुए निर्माय कर्ष के लिए पत्तर (ii) को तसानत हुए निर्माय कर्ष के लिए पत्तर (iii) को तसानत हुए निरमीय वर्ष के लिए पत्तर (iii) को तसानत हुए निरमीय वर्ष के लिए पत्तर (iii) को तसानत हुए निरमीय वर्ष के लिए प्रश्नाय करने का स्वाय करें कि प्रयक्षण स्थात प्रभार प्रवक्षण स्थात का निर्माय स्थानों के लिए स्थानया नहीं की नहें है तो उसकी सम्यार रुक्तों का निर्माय का स्था के लिए स्थानया नहीं की नहें है तो उसकी सम्यार रुक्तों का त्या उसके कारण दिए लाए । 18. सूब गानियत (काण भीकोशिक कंपनी) (विवेष उपयथ्य अधिनियत, 1985 की बारो 3(1)(ण)स्थाधीनरक (iii) में प्रधापरितायत) (अ) उच्च प्रतिस्था में के प्रता ते दूब प्राणियत । 19. स्था में दूं गरी है स्थवना पत्त रुही है: (प्रत्येच संप्र्यू प्रकृतक प्रमाण विनिधिक की वारो 3(1)(ण)स्थाधीनरक हिल्ला देने वाले के द्वारो देव को को हिल्ला है ने निर्म के द्वारा विनिधिक की वारो 3(1)(ण)स्थाधीनरक हिल्ला देने वाले के द्वारो पहिल्ला है के का नी वारोव है संबंधिक होणा पहिए। 20. व्यविक्ष वैकी को गोधा; (हाल ही की कारोध को दिल्ला, देने नाले के द्वारा विनिधिक हिल्ला वारो (हाल ही को कारोप को दिला के देवारा विनिधिक हिल्ला वारो (हाल ही को तारोप को दिला व्यव्य करानिक वंदार हुत बराना रुक्त निर्मायता पूर्ण कम नाम का स्थाप का स्वाया रुक्त वर्षणा प्रकृत कम वक्षणा रुक्त मुक्त कमा रुक्त कमा रुक्त कमा रुक्त कमा विव्या का सुल रुक्त बक्ता रुक्त मुक्त कमा रुक्त कमा रुक्त कमा प्रवास कमा रुक्त कमा प्रवास कमा प्रवास कमा प्रवास कमा प्रवास कमा प्रवास कमा नुक्त कमा स्थाप प्रवास कमा प्रवास कमा प्रवास कमा प्रवस्त कमा होता हो है (प्रवस्त प्रवस्त कमा मून) 2. मा भी है ते (भारतीय प्रीयोगिक हिल्ला विक्त) 2. मा भी है ते (भारतीय प्रीयोगिक हिल्ला विक्त) 3. मा भी है ते, (ते, (पारायो प्रविच्य क्रावर क्रावर कमा हिल्ला है कि (पारायो प्रवास) आदि है (पारायो प्रवास कमा भारे हिल्ला कमा है (हिल्ला कमा कमा हिल्ला कमा म				• •	भौर हानि लेखा अतिशे	ष	
17. पिछले वो नवीं की नवब हानियां (पर्यात् ध्ववस्यण से पहले परस्तु, स्थास प्रमात्ति करते से पश्चात्) (1) को समान्त हुए नितीय वर्ष के लिए (1) को समान्त हुए नितीय वर्ष के लिए (2) वर्ष समान्त हुए नितीय वर्ष के लिए (2) वर्ष समान्त हुए नितीय वर्ष के लिए (2) वर्ष सामान्त हुए नितीय कर्ष के हुए ते हुए ते हुए तामान्त हुए नितीय कर्ष हुए ते हुए तामान्त हुए तामान हुए तामान्त हुए तामान	जोड़			ओड़	,		mananta ya ya wakazio y
(ii) को समान्त हुए विसीय वर्ष के लिए स्थय (iii) को समान्त हुए विसीय वर्ष के लिए स्थय (iii) को समान्त हुए विसीय वर्ष के लिए स्थय स्था के लिए स्थाय स्था मही की वर्ष है तो उसकी सक्यार रक्ष तथा उसके कारण दिए जाएं। 18. सुद्र गांतिस्त (क्षण मीकोशिक क्षणी) (विवेध उपवश्य भीविषयत, 1985 की द्वारा 3(1)(ण)स्वयोक्तरण (ii) में यूपाणिशाधित) (क) उत्तर मुद्र गांतिस्त तथा वर्ष (क्ष) अलिक विसीय वर्ष के सन्त में जूद मालियत 19. क्षा वर्ष हो गयी है पथवा पत्र पहुं है: (मत्येव संगंव/एकक ममान्त विनिर्धय की साद) मालिक वैकों को कोच्य इतिता देर्ग वाले ने द्वारा दिति वर्ष हो गयी है पथवा पत्र पहुं है: (मत्येव संगंव/एकक ममान्त विनिर्धय की साद) मालिक वैकों को कोच्य इतिता देर्ग वाले ने द्वारा दिति वर्ष की लाने नार्मी हाल हो की सोच्या (हाल हो की सरीय को दिला, हेने माले के द्वारा विनिर्धय की साद) (क्ष) (क्ष) (प) (प) (प) (फ) (प) (फ) (प) (फ) वर्ष का नाय कर्मकारी परिशीय। कार्यकारी स्थारित की दिला, हेने माले के द्वारा विनिर्धय हम बचाया एकम विचायतता पूर्णी बकाया रकम कार्या एकम मुक्त रकम बकाया एकम पूर्ण वर्ष का नाम मूल रकम बकाया एकम मुक्त रकम बकाया एकम मुक्त रकम बकाया एकम मूल प्रत का मुक्त रकम बकाया एकम पूर्ण का नाम मूल रकम बकाया एकम मूल रकम बकाया एकम मुक्त म	(2) 明	तारीख जिसको कम्पनी के वि	नेदेशक बोर्ड ने कस्पर्त	ो के बारे में उसके दुग्ण	होने के सम्बन्ध में 1	5-5-87 के पश्चात् राय	बनःसी ।
(ii) को समान्त हुए विश्तीय वर्ष के लिए थरण प्रत्य प्रश्न मान प्रवाद का स्वाद का स	17. पिछरे	न दो वर्षों की नक्ष हातियां	ं (मर्यात् भवक्षयण से ।	पहले परस्थु स्याज प्रशा	रेत करने के पश्चात्)	•	
टिप्पणी: हुम्पा इस बात की पूर्विट करें कि प्रधान भारत प्रगार प्रवर्ष कानूनी देव भीर प्रथम आयों को पूर्व क्य से हुिशा में किया गया है। यदि राजिय आयों है किए प्यवस्था नहीं की गई है तो उसकी मक्यार रक्षों तथा उपके कारण दिए जाएं। 18. सूद्र मानिवत (कण मोक्षेत्रिक कंपनी) (विश्वेष उपवश्च अधिनिवस, 1985 की झारा 3(1)(ण)स्वयोकरण (ii) में प्रवापरिशायित) (क) उच्च मूद्र मानिवत तथा वर्ष (क) प्रतित्त दिवाय वर्ष के अन्त में बूद्र मानिवय 19. क्या वंद हो गयी है प्रवास पत्त रही है: (मतीक संगंध/एकक प्रमाण विनिर्दिक्ट की आयु) व्यक्तिक वैकों को कोध्य इतिया देने माने में द्वारा दिनिवंद की आये क्यांतिक हैं को कोध्य इतिया देने माने में द्वारा दिनिवंद की आयु) व्यक्तिक वैकों को कोध्य इतिया देने माने में द्वारा दिनिवंद की आयु) व्यक्तिक वैकों को कोध्य इतिया देने माने में द्वारा दिनिवंद विश्व आपे 20. व्यक्तिक वैकों की कोध्य; (हाल ही की सरीख की इतिया, देने माने के द्वारा दिनिवंद विश्व आपे (क) (क) (व) (व) (व) (प) (क) (व) (व) (प) (क) (व) (व) (व) (व) (व) (व) (व	(i) को स	मान्त हुए विसीय वर्षे के लिए	Ç	ध्वए	- 1		
स्था में के लिए स्थवस्था नहीं की गई है यो उसकी सदयार रहम तथा उसके कारण दिए काए । 18. सुद्ध भागिरतत (कण सीस्थित कर्य करें करेंगी) (विशेष उपसण्ड असिनियम, 1985 की झारा 3(1)(ण)स्पर्टीकरण (ii) में स्थापरिभाषित) (क) उच्च चुद्ध माधिरत तथा वर्ध (ब) भागिरत कितीय वर्ष के भ्रत में युद्ध माणियत (ब) भागिरत कितीय वर्ष के भ्रत में युद्ध माणियत 20. व्यार्थ में की तारीख से संपंधित होना चाहिए। 20. व्यार्थ में की नोध्य (हुल होकी सरोख को इतिना, देने वाले के द्वारा विनिर्वय्द किए वाएं) (क) (ब) (प) (प) (क) (प) (प) (क) (प) (प	(ii) को स	समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लि	ए	र प ए			
(क) उच्च मूद माणियत तथा वर्ष (ब) प्रतिता दिलीय वर्ष के सत्त में जूद माणियत 19- वया संद हो गणी है सबवा चल पहें है: (सर्थेक संवेश/एकक प्रमाण वितिर्विष्ट की व्याप) स्थान्टक बैकों को कोस्य इतिला देन वाले के द्वारा वितिर्वेष्ट की जाने वाली हाल हो की तारीख सेसंविष्ठ होना चाहिए। 20- व्यक्टिक वैकों को मोच्य; (हाल हो की सररोख को इतिला, देने वाले के द्वारा वितिर्विष्ट किए वाएं) (क) (व) (व) (प) (प) (प) (प) (क) वैक का नाम अर्थेकारी परितीमः कार्यकारो पूंजी कार्तिक निश्चिक व्याप्त कार्तिक उदार हुन बकाया एकम नियमित्रता पूंजी बकाया एकम उदार मूल एकम बकाया एकम मूल एकम बकाया प्रात्तिक माणित प्राप्तिक प्रमुल एकम बकाया एकम मूल एकम बकाया म्यांतिक मुल प्राप्त प्राप्तिक प्रमुल एकम स्थान मूल एकम बकाया प्राप्तिक प्रमुल एकम स्थान मूल एकम बकाया म्यांतिक प्राप्तिक एकम विकास बैक) 2. पा श्री वि. वि. (पारतीय धौद्योगिक दिकास बैक) 3. पा श्री वि. वि. (पारतीय धौद्योगिक दिकास वैक) 4. पा श्री वि. वि. (पारतीय धौद्योगिक दिकास वित्यान व्याप्तिक विकास वित्यान व्याप्तिक विकास वित्यान व्याप्ति (पारतीय वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान व्याप्तिक विकास वित्यान व्याप्तिक विकास वित्यान व्याप्तिक विकास वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वित्यान वाल वित्यान वाल वाल वाल वाल वित्यान वाल	व्यवीं के	लिए व्यवस्था नहीं की नई	हैतो उसकी मदबार	रकर्में तथा उसके कारण	विए जाएं।	·	
(बा) प्रतिस्त दिलीय वर्ष के धन्त में सूब साविषय 10- स्था संव हो गयी है पणवा थल रही है: (सत्येक धंगंव/एकक प्रभाग विनिर्विष्ट की आए) स्थितिक बैकों को कोव्य दिलता देगे याने के द्वारा दिनि देख की जाने नाली हाल हो की तारीक से संबंधित होना चाहिए। 20- व्यटिक वैकों को गोध्य; (हाल हो की सरोख की दिलता, देने वाले के द्वारा विनिर्विष्ट किए आएं) (क) (क) (क) (क) (क) (क) (क) (पनी) (विश्वेष उप य न्ध	भिष्नियम, 1985 की	द्यारा 3(1)(ण)स्प	द्धीकरण (ii) में यथापरिष	।।षित)
19. बया बंद हो गयी है सजबा चल रही है: (सब्येक संबंध/एकक प्रभाग विनिर्विष्ट की आए) स्योध्यक बैकों को क्षोस्य दितता देने वाले के द्वारा विनिर्विष्ट की जाने वाली हाल हो की तारीक से संबंधित होना चाहिए! 20. व्यिटिक बेकों को बोध्य; (हाल हो की सरीक की इतिला, देने वाले के द्वारा विनिर्विष्ट किए जाएं) (क) (a) (7) (प) (क) (क) (व) (व) (क) (व) (b) बैंक का नाम भावैकारी परिसीम। कार्यकारी पूंजी कार्तिक निश्चक क्ष्याय कार्तिक उदार कुल बकाया रक्तम नियमितता पूंजी बकाया रक्तम उद्यार मूल रक्तम बकाया रक्तम मूल रक्तम बकाया व्यविकान मूलयन व्याव मूलधल व्याव मूलधल व्याव मूलयन आ वि वै (भारतीय सौद्योगिक दिकास बैंक) 2. मा जी प्र वै (भारतीय सौद्योगिक दिकास बैंक) 2. मा जी प्र वि (भारतीय सौद्योगिक प्रविचान विलय) 5. सम्य रा. कि. कि. (राज्य विकास विवास) सोद (राज्य सीद विनिद्याल किल्स) 5. सम्य रा. कि. कि. (राज्य विकास निजम) सोद (राज्य सीद विनिद्याल किल्स)	(क) उच्च	। भुक्र मालियत तथा वर्ष					
देख्द की आने वाली हाल हो की तारीख सेसंबंधित होना चाहिए। 20. व्यक्टिन चैकों को गोध्य; (हाल ही की कारोख की इतिला, देने वाले के द्वारा विनिर्धिट किए जाएं) (क) (व) (ग) (घ) (घ) (घ) (घ) (घ) (घ) (घ) (घ) (घ) (घ	(ख) प्रस्ति	तम कित्तीय वर्ष के भ्रन्त में जुद	! मा लि यस				
(क) (ख) (ग) (घ) (इ) (प) (७) इके का नाम अर्थकारी परिसीम: कार्यकारी पूंजी कार्तिक निश्चक क्याज कार्तिक उदार कुल बकाया रकम नियमितता पूंजी बकाया रकम उद्यार मूल रकम बकाया रकम मूल रकम बकाया थ्यातिकम संस्था का नाम मूल रकम बकाया व्याप्त मूलधन क्याज क्				কেন্দ্ৰসমাণ বিনিবিচ্চ হ	ी थाए) स्यष्टिक बैंक	ों को कोट्य इतिला देने	वाने केदारा दिनि
वैंक का नाम कार्यकारी परिसीम। कार्यकारी पूंची कार्यिक निश्च क्याज कार्यक उदार कुन बकाया रक्तम पूंची बकाया रक्तम उदार पूंची बकाया रक्तम उदार पूंची बकाया रक्तम यूंची रक्तम वकाया रक्तम यूंची रक्तम विनिध्ध किया जाए) संस्था का नाम यूंची रक्तम यंची यूंची रक्तम यूंची रक्तम यूंची रक्तम यूंची यूंची रक्तम यूंची रक्तम यूंची यूंची रक्तम यूंची यूंची रक्तम यूंची यूंची रक्तम य	20. व्यष्टि	भ बैंकों को मोरुप; (हाश ह	ही की सररीख को इतिल	ा, देने वाले के द्वारा वि	निर्विष्ट किए प्राएं)		
पूर्वी बकाया रकम उद्यार मूल रकम बकाया रकम यक्षाया रकम विशेष के द्वारा विशिद्ध किया जाए) संस्था का नाम मूल रकम यकाया स्थाज मूलधन स्थाज स्थाज मूलधन स्	(略)	(4)	(ग)	(घ)	(F)	(막)	(8)
21. कालिक उद्यार देने वाली संस्थाओं को बोध्यः (हाल ही की तारी को इतिला देने वाले के द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए) संस्था का नाम मूल रकम यकाया व्यक्तिम मूलधन व्याज मूलधन व्याज 1. भा भौ वि वै (भारतीय भौद्योगिक विकास वैंक) 2. भा थो प्र वे (भारतीय भौद्योगिक पुनर्तनाण वैंक) 3. भा भो वि. नि. (भारतीय भौद्योगिक विकास निजन) 4. भा भौ प्र वि ति (भारतीय भौद्योगिक प्रथ्य भौर विनिद्यान निजन) 5. सन्य रा. वि. नि. (राज्य विकास निजम) भावि (राज्य भौद्योगिक विकास निजम) भावि (राज्य भौद्योगिक विकास निजम) भावि (प्रसन-भ्रसन नाम में)	बैंक का नाम	पूंजी बकाया रकम	र् षार			_	नियमिददा
21. कालिक उद्यार देने वाली संस्थाओं को बोध्यः (हाल ही की तारी को इतिला देने वाले के द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए) संस्था का नाम मूल रकम यकाया व्यक्तिम मूलधन व्याज मूलधन व्याज 1. भा भौ वि वै (भारतीय भौद्योगिक विकास वैंक) 2. भा थो प्र वे (भारतीय भौद्योगिक पुनर्तनाण वैंक) 3. भा भो वि. नि. (भारतीय भौद्योगिक विकास निजन) 4. भा भौ प्र वि ति (भारतीय भौद्योगिक प्रथ्य भौर विनिद्यान निजन) 5. सन्य रा. वि. नि. (राज्य विकास निजम) भावि (राज्य भौद्योगिक विकास निजम) भावि (राज्य भौद्योगिक विकास निजम) भावि (प्रसन-भ्रसन नाम में)							
संस्था का नाम मूल रकम यकाया म्यांतक्रम मूलधन व्याज मूलधन व्याज 1. भा भी नि वै (भारतीय श्रौद्योगिक विकास वैंक) 2. मा श्रो प्र वें (भारतीय भौद्योगिक पूर्नानमीण वैंक) 3. भा भी वि. नि. (भारतीय भौद्योगिक प्रत्यय भीर विनिद्यान निगम) 4. भा भी प्र वि नि (भारतीय भौद्योगिक प्रत्यय भीर विनिद्यान निगम) 5. मन्य रा. वि. नि. (राज्य वित्तीय निगम), रा. भी. वि. नि. (राज्य भीद्योगिक विकास निगम) भावि (प्रसग-भस्मा नाम में)	जोड़						·
मूलघन व्याज मूलघन व्याज मूलघन व्याज 1. भा भी नि वै (भारतीय श्रौद्योगिक विकास वैंक) 2. मा श्रो प्र वें (भारतीय श्रौद्योगिक पूर्वानमीण वैंक) 3. भा भो वि. नि. (भारतीय श्रौद्योगिक वित्त निवम) 4. भा भी प्र वि नि (भारतीय श्रौद्योगिक श्रःवय भीर विनिद्यान निवम) 5. सम्य रा. वि. नि. (राज्य वित्तीय निवमं), रा. भ्रों. वि. नि. (राज्य श्रीद्योगिक विकास निवमं) भावि (प्राथम श्रीद्योगिक विकास निवमं) भावि (प्राथम निवसं नाम में)	21. कालिक	ं उद्यार देने माली संस्थाधों	को बोध्यः (हाल ही	की तारीक को इतिसा	देने वाले के द्वारा वि	निर्दिष्ट किया जाए)	
 भा भी नि वै (भारतीय श्रौद्योगिक विकास वैंक) मा श्रो भ वें (भारतीय भौद्योगिक पुर्नानमीय वैंक) भा भो वि. नि. (भारतीय भौद्योगिक वित्त निनम) भा भी भ वि नि (भारतीय भौद्योगिक शत्यय भीर विनिद्यान निगम) भम्य रा. वि. नि. (राज्य वित्तीय निगमं), रा. भौ. वि. नि. (राज्य भौद्योगिक शिकास निगम) भावि (श्रसग-भ्रसग नाम में) 	संस्था का नाम	मूल रकम		यर	तया	स्य	तिक्रम
where the same that the same t	 शा को प्रवे शा को दि. शा को प्रवि शा को प्रवि सम्प रा. वि. (राज्य को 	(भारतीय भौषोगिक पुनर्निम नि. (भारतीय भौषोगिक १ ति (सारतीय भौषोगिक ४ . नि. (राज्य वित्तीय निगर्म घोगिक विकास निगम) भावि	णि वैक) वित्त निनम) त्यय भीर विनिद्यान नि i), रा. भी. वि. नि	ं नगम)	ह्माज	มูต มศ	क्याज
	जोषु		*	* ***********************************			

III—614 4]	भारत का ्राजक्तः भ	साधारण		
22. मास्पगित उधार, यवि कोई हो				
संस्था का नाम/बीक का नाम	रकम	यकामा		व्यतिक्रम
			यूलधन	ধ্যাস
23. विवेशी विस्तीय संस्थाएं/सहयोगी				
शंस्था/वेंक का नाम	रंकम	यकाया		व्यतिकम .
	•		मूलधन	स्याज
2.4. हाल ही भी तारीख की कानूनी वारि भविष्य निश्चि बनाया जोड़ उपर्युक्त में से कर्मजारियों से की गई कटौत कर्मजार शीष्ट्य कर्मजारी राज्य कीमा कोष्ट्य	·	, , ,		
उत्पाद-मुख्य वकाया				
विका कर धनाया				
विधुत गुरू बकामा ग्रम्यविनिविध्ट करें				
उपर्युक्त रकम में से वह रकम जिल्ला इति। होने की संभाषना हो 26. हाल ही की तारीख को नियसकामिक		• •	व्यक्तिक म	
•	र्ष	रम बकामा		
(i) अनता से	•	मूर	धम व्याज	
(ii) भेयरधारकों /निदेशकों से				
(iii) भ्रन्य से (विनिर्विष्ट करें)				
27. हाल हूं। की तारीश्व को धन्य धन्नतिक्	"	विष्ट किए जाये) हम ज्याज दर		सोध्य हुई किन्सु स
(i) संप्रवर्तकों भौर सहयोगियों से				न की गई भ्याज की उ
(ii) प्रान्य से विनिधिष्ट करें				
·	ार (इतिका देने पाले के द्वारा विनिविध्य	किए जाएं)		
(i) धर्म/कंपनी/व्यध्टि जिनका कुटुम्ब हो य संबंध रखते हों	,	- ′		
(ii) भ्रम्य (विनिविष्ट करें)				
29. हाल ही की तारीख को भ्रम्पान्य आहणे विनिद्धिक किए जाएं)	गै (इ लिसा थेने नाभे में द्वारा			
Catalities had study				
(i) संप्रतसंतों यौर सहयोगियों				

(iii) वितिष्ठ मेनदार

ru III	क्षण्य 4] भारत क	ा राकास [े] ः भसाधारण	·			7.
38.	श्वतिम पांच मर्थों में से प्रत्येक के चन्त में मलग भलग मूची			1		
	(क) क ण् जी सामग्री	एप	কর্ম	वर्ष	क्षं	नर्ष
	(अ) भंडार और शतिरिक्त पूर्वे					
	(ग) यल र हा कार्य					
	(भ) परिसाधित उत्ताप					
	(ड) घ्रण्यास्य ऋणी					
39.	चिसाम पांच अर्थों में से प्रत्येक के बान्त में तिकि की सिपित	भर्ष	क्यं	ৰূপী -	m.1	_1
	(क) हाथ नकदी	44	44	44	यर्ज़	मर्प
	(सा) बैठ में नकदी					
	(ग) खप्रशाणित न कद प्रत्यय					
	(ष) नकद भोवरहाफट सीमा					
	(क) भिली काटे पर भुगतान किए गए विकय बिस					
40.	हाल की तारीख को नकद हानि के विक्त पोषण के स्रोप (दक्ति	ला देने वाले के द्वारा विति	।विष्टः किए जा	पं)		
	(फ) एक आइ एस वैकों को अतिशोध्य व्याज का संदाय न कर	<i>र</i> ना				
	(ख) भन्य तेनदारों को ग्रसिशोध्य व्याज का संदाय न करना					
	(ग) कामूनी शोध्यों का संवाय न करना					
	(भ) धम शोष्ट्यों का संदाय न करना					
	(ङ) आहिस्तयों का विकय					
	(च) बैंक के लेखाओं में अनियमतिता					
	(छ) ऋग (क्षोत उपदक्षित किए काएं)					
	(জ) দोई भ्रन्य स्रोत (बिनिविष्ट किया आए)					
4 i.	ग्रन्तिम वित्तीय वर्षे की समाप्ति पर भावेशों की स्थितिः					
	(क) हत्तीगत भादेश					
	(ख) निष्पादन के मधीन मादेस					
	(ग) प्राप्टेश जिनके लिए प्रयास किया गया किन्तु जो कार्यान्ततः	नहीं हुए।				
42.	नियोजित कर्मचारिवृन्द या श्रमिक प्रधान कार्यांक्य कारकाना					
	(_\i	प्रत्य स्थापन्।		<u>alŝ</u> .		
	(क) प्रबन्धकीय					
	(ख) पर्यनेक्षकीयस्कनीकी . गैर तकनीकी					
	(ग) लिपिकीय					
	(घ) श्रमिक					
	कुशाल					
	म र्वे कुमाल					
	- इ सकुशल					
	्ठ भन्य प्रदर्ग					
	(यदि वन्य हो गया है सो अन्त में नियोजित कर्मचारीबृ	न्त असिकों के संबंधी में वि	थिति का उल्	सेख करें।		
43.	 (i) फालतू श्रमिक है, यदि हां तो उसकी संख्या, प्रभागवार/एव 	क्क्यार				
	(ii) वया किसी युक्तिपूर्ण प्रस्ताव पर किसी ट्रेड यूनियन से वि	चार-				
	विमर्श किया गया है। यदि हो तो क्या परिणाम निकने।					

44. मान्यताप्राप्त द्रेष्ठ यूनियर्ने/प्रध्यक्रों/सिवृष्टों के नाम (तथा रिजद्रीकृत कार्यांक्रम का पता)

45. तर्पती भीर ममीतरी की तकमीकी स्थितिः

- (i) क्या अमुरक्रण अक्षतन है
- (ii) नगा मजीनरी में बार बार गड़बड़ी होती है
- (iii) पंत्रुवन स्तर से नीच सवता के जायोग के कारण
- (iv) धैयार अरपादों के भश्वीकार करने की प्रशिवत
- (v) मणोनरी के मुख्य प्रतिस्थापन/मणीनरी में दृष्टि मानक्यक समझें गए हैं? यदि हां तो सागत तथा लाम सहित-क्योरे मल्लिम मानुनिकारण कव किया गया या विवरण वें।
- 16. नता नियोजित प्रौद्योगिकी पर्योप्त समझी गई है या क्या उसके बन्नयन की फावरवकता है?
- क्यनो के प्रत्यादों के लिए मांग को स्थिति—प्राप्तरिक कारणों को प्रवया बाह्य कारणों को विनिधिक्त किया थाए।
- 48. हात ही में क्या धरनांव (उत्पादों) के लिए मांग का वाजार सर्वेकण कियागयाहै। क्या परिणास हुए?
- 49. जीवन सागता पुतः प्राप्त करने के एक साधन के रूप में जन्याव रेंज के विश्विद्योकरण के लिए प्रया कंपनी का कोई प्रश्ताव है। स्वारे वीजिए।
- 50. कथा संप्रवर्तक के नियंत्रण के श्रद्यान किस पृथक कंपनी द्वारा विषणन किया गया है प्राप्तिक परिकालन/श्रांतिक प्रक्रिया की गई है—इस कम्पनी को बी गई विलीय संझानता भीर इसी कपनी से बाध्य रक्षमों सिंहत, अभीरे वें।
- 51. क्या कोई विनिर्विष्ट सरकारी (केन्द्रीय मधवा राज्य) नीतियाँ मधवा कार्यवाई है जिसने एकक को रुग्ण बनाने में योगवान किया है (मधींस् टैं रिफ विनिगितिया, विजनी का प्रत्याल्यान, भावात नीति प्रावि।) कीन सी गरफारी कार्यवाई पुनर्जीवित करने में सहायसा कर सकती है?
- 62. क्या कंपती को कोई सर्वियोग प्रास्तियों हैं जिनका विक्रम किया जा सकता है हि सवा छनका बसूल किए जाने मौंग्य मूख्य।
- 63. किस की अधिकतम रक्तम क्या है किसे संप्रवर्तक पुनर्जीविम वैकेश में लगा सकते हैं?
- 54. का रुग्ग उच्चोग को किसी स्वरूप उद्योग के साथ सम्मिलित करने की माई गर्माण है।
- 85. क्या कंपनी को राणता के विक्रिय्ट पहुनुकों अथवा सहायता की जिसी आवश्यकता पर केन्द्रीय एउम सरकारों के साथ विकारितमर्श किया गया गया है? अनको प्रतिक्याओं सहित व्योग्ध वीजिए।
- 86. इतिशा देने वाले के प्रमुसार क्लाता के जारण----
 - (भ) प्रश्नमनीय समस्याएं
 - (ख) उत्पादन और तसनीकी समस्याएं
 - (ग) विभागम संबंधी कठिनाइया
 - (भ) वित्रीय समस्याएं
 - (æ) पर्याप्त भवसंरचना की क्षमी
 - (च) करुचे मास की कमी
 - (छ) सरकारो नौतियां
 - (क) स्थ्य कारण विनिधिष्ट किए जाएं ।

- (i) क्या युक्तियुक्त समय के भौतर गुढ मालियत को वृद्धिसूचक बनाना संघव है।
 - (ii) यदि हो तो उस प्रयोभन के लिए को जाने वाली घपेकित कार्य-वाही उपदिशत करते हुए पृथक रूप से टिप्पण वें। टिप्पण में घर्य बातों के साय-साथ अमता के उपयोग, कुल लागद के तार्थिक घटकों घौर सभी प्रकार के माल को कम करने, ऋण चटान, घादेशों नें वृद्धि करने, हानियों को कम करने, नगदी की स्थिति में सुधार लान के लिए उठाए गए कदमों के धौर ग्रस्थ सुसंगत तकनीकी धार्थिक ब्योर होने काहिए।
 - (iii) प्रस्तावित माधुनिकीकरण या पुनश्कार के लिए मतिरिक्त सहायता
 - (iv) क्या किसी लेनवार द्वारा पहले से ही कोई विधिक कार्रवाई झारंभ की गई है। क्या पहले से ही राहत उपक्रम धोवित किया गया है। यदि विदिक कार्यवाई झारम्भ की गई है तो समी वार्वों, परिसमापन याजिकाओं, उनमें समय-समय पर पारित किए गए न्यायालय के कार्यशों की प्रतियों संलग्न करें।
 - (v) क्या किसी परिस्तापन याधिका में खरकारी समापक/प्राप्तकर्ती नियुक्त किया गया है यदि हो तो संगत न्यायालय के प्रावेगींकी प्रतियों प्रश्नुत की वानी काहिए।
- 68. कोई मन्य जानकारी जो सुसंगत था लामबायक समझी जाएं।

में प्रमाणित करता हूं कि ऊपर यो गई विशिष्टमां भीर जानकारी प्रभिलेकों से प्राप्त जानकारी पर प्राधारित है और विश्वास किया जाता है कि सत्य है।

इतिला देने वाले के हस्ताफ

तवनुसार कंपनो, रुग्ण भौग्रोणिक कंपनी (विशेष उपक्रक्ष) भिक्षिनियम, 1985 को धारा 3 को उपबारा (1) के खंड (ण) के भयौन्तर्गत क्रण भौग्रोणिक कंपनी हो गई है।

कम्पनी के निवेसक बोर्ड को घोर से भौर उस निमित्त सम्पक् रूप से प्राधिकत होते हुए मैं पश्चिनियम को धारा 15 को उपधारा (1) के प्रधीन निर्देश करता हूं घौर प्रौद्योगिक घौर विक्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड से उन उपायों के प्रवदारण के लिए भनुरोध करता हूं जो कंपनो के संबंध में घपनाए आएंगे।

> इत्तिला देश वाले के हरताकर तथा पदनाम

तारोकः

स्यामः

क्षेत्रा में.

सचिष

धौद्योगिक घोर वितोय पुनर्निमाण हो

नई विस्तो। 311 GI/89—2

(कृपया विनियम 19 देखें)

टिप्पण :--नीचे दी गई विशिष्टियां भद्यतन स्थिति बताएंगी जब तक कि प्रश्नादशी में भव्यवा निदिष्ट न हो। वित्तीय प्रांकडे लाख रुपयों में उपदर्शित करें।

- इलिला देने वाले का नाम भौर पता।
- भौद्योगिक कंपनी का माम भौर पता।
- (क) प्रधानकार्यालय।
- (ख) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय।
- (ग) कारखंतनायाकारखाने।
- (क) अपनी प्रधिनियम 1956 के प्रधीन अम्पनी के रिजस्ट्रीकरण का संख्यांक और तारीख भीर वह राज्य जिसमें रिजस्ट्रीकृत है। रिजस्ट्रीकृत प्रमाणपञ्च की प्रति संलग्न करें।
- (ख) कारखाना मिनियम, 1948 के मन्नीन सभी कारखानों/कारखाने के रजिस्ट्रीकरण संख्यांक तथा तारीख मौर वे राज्य/वह राज्य जिसमें रजिस्ट्रीक्सत
- (ग) उद्योग (विकास और विनियमन) भविनियम 1961 के भवीन भनुसुबित उद्योग/उद्योगों का भविक/उपशीर्यक जिसमें दिनिर्मित या दिनिर्माण किए जाने के लिए प्रस्तावित वस्तु (वस्तुएं) संबंधित हैं।
- (घ) उद्योग (विकास भीर विनियमन), अधिनियम, 1951 के प्रजीन रिजस्ट्रीकरणया अनुमन्दित का संख्यांक और तारीखा। यवि कम्पलै तकनीकी विकास महानिवेगालय के पास रजिस्ट्रीकृत है तो तकनीकी विकास महानिवेशाश्रय के पास राधिरध्रीकरण का संख्यांक झीर तारीका सी खपर्शात की खानी भाहिए। (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्न भथवा भनुकाप्ति की प्रति संसन्ध करें।)
- (क) क्या उद्योग (विकास भीर विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (कक) के अविन्तर्गत आनुवंगिक भौद्योगिक उपक्रम है। हो/लहीं।
- (খ) क्या उद्योग (विकास भीर विनियमन) मधिनियम, 1951 की छारा 3 के खण्ड (भ) में परिभाषित लच्चु उद्योग उपक्रम है? हुपया संयंद्र तथा मंगीनरी में विनिधानों का उल्लेख करें। क्या स्वामिल के निबंधमों पर भंधवा पट्टे पर मयना साड़ा कय पर (भवक्षयण से पूर्व) धारित है?
- (क) प्रवर्तक (संप्रवर्तकों) का नाम भीर पता/पते।
- (ख) सभी वर्ग के शेयरों की शेयरघारणा पतिकः रकम/कुल समावत्त पुंजी का प्रतिशत।
 - (i) संप्रवर्षेक रकम कुल चुकता पूंजी का प्रतिशत ।
 - •(ii) सहयोगी।
 - (iii) स्रोक वित्तीय संस्था (संस्थावार) ।
 - (iv) राज्य स्तर की संस्थाएं (संस्थावार)।
 - (v) बैंक (बैंकबार) ।
 - (vi) साधारण जनता ।
- (ग) सबसे बड़े वस शेयर घारकों के स्पौरे (प्रत्येक के सामने कृपया उपविशत करें कि क्या संप्रवर्तक सहयोगी/नियंत्री कम्पनी/समूह कम्पनी है)
- सेक्टर : प्राइवेट/संयुक्त
- 6. (क) निवेशकों के नाम तथा उनके मबीनतम पते वर्शित करें क–श्रव्यक्ष, **स**–पूर्णकालिक निवेशक जिनमें प्रबन्ध निवेशक भी है, ग—नामनिर्देशिती

को

- (का) मुख्य कार्यपालक का नाम भौर पता चाहे किसी भी नाम से जाना जाता हो।
- (क) कम्पनी के रिजिस्ट्रीकरण के कारबार कियाकखाप का मुख्य क्षेत्र।
 - (ख) ध्रन्य समनुषंगी कारबार श्रियाकलापः।
- क्या ऐसी कम्पनी है जिसको एकाधिकार तथा अवरोधक ध्यापारिक व्यवहार ग्रांधिनियम लागू होता है। हां/नहीं।
- 9. क्या ऐसी कम्पनी है जिसको विवेशी मुद्रा विनियमन ग्रंधिनियम लागु होता है। श्चौ/नहीं ·
- 10. वित्तीय स्थिति (वी घन्तिम लेखा परीक्षित तुलनपत्नों के घनुसार):
- **मा**स्तियां वायित्व
 - च नियत पास्तिया।

क. समादत्त पूंजी **ख**. भारक्षितियां।

छ चालुसे भिन्न ग्रास्तिया।

भ. ग्रावधिक दायित्व

ज चालु म्रास्तियां।

घ. भासू धायित्व।

छ. भन्य।

शर. धर्म्य

जोड़

लाभ भौर हानि लेखा मतिगेष।

(1) मन्तिम को वर्षों के लिए नकद हानियों (भर्षात् भवक्षयण के पूर्व किन्तु व्याज प्रभारित करने के पश्चात् हानियां)।

(1) को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए रूपए

जोड़

(अस्तिम पांच वयों के तुलनपत्नों की प्रति यदि उपलब्ध हो तो संलग्न की आए)।

- (2) को समाप्त हुए-विसीय वर्ष के लिए इपए
- 12. मुद्ध मालियत (चन्ण धीद्योगिक कम्पनी) (विशेष उपवन्ध) श्रिधिनियम, 1985 की धारा 3(1)(ण) स्पष्टीकरण (11) में यथा परिभाषित (शुद्ध भाभियत)
 - (क) उच्चतम गुद्ध मालियत भीर धर्ष
 - (ख) मन्तिम विसीय वर्ष के मन्त में शुद्ध मालियत।
 - 13. भया बंद हो नई है या कार्य कर रही है:

(अस्येक संबंध/एकक/प्रधान की स्थिति विनिर्दिष्ट की जाए)।

1/4 स्पष्टिक वैंकों को कोध्य : (श्वाक की तारीख को इतिला देने वाले के द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए)।

虾	অ	1	ा प		ĕ	4	छ
वैंक का नाम	कामकाज पूंजी सीमा वकाया रकम	कामकाज पूंजी उधार	कालिक निधिक व्य	ग्रज कालिक	उधार	भूल धकाया रकम	प्रनियमितता
	»	मूल रकम	बकाया रकम	मूल रक्स	वकाया र क्ष म		,
		मूल एकम		बकाया रकम			

जोड़

15. कालिक उधार देने वाली मेंस्थाओं को शोष्य : (हाल की तारीख को इतिला देने वाले द्वारा विनिधिष्ट किया जाए)। बंस्था का नाम मूल रकम यकाया व्यतिकम मूलधन व्याज स्रोतिकम क्यांज

- 1. प्रारतीय भौद्योगिक विकास वैकः।
- ं 2. मारतीय भौधोगिक पुनर्निमणि बैंक।
- भारतीय भौद्योगिक विक्त निगम।
- भारतीय अधिगिक प्रत्यय ग्रीर विनिधान निगम।
- ग्रन्थ-राज्य विलीय निगम, राज्य भौगोगिक विकास निगम ग्रावि (पृथक् रूप से नाम दें)।

भोड़

- इतिला देने वाले के प्रनुसार राणता के कारण:
- (क) प्रवन्ध संबंधी समस्याए।
- (ख) उत्पादन संबंधी चौर तकनीकी समस्याएं।
- (ग) विपणन संबंधी कठिनाद्या।
- (ष) वित्तीय समस्याएं।
- (अ) पर्याप्त भवसंरचना की कमी।
- (अ), कच्ची सामग्री की कमी।
- (छ) सरकारी नीतियो।
- (ज) धन्य कारण जिमिविष्ट किए जाएं।

- 17. पुनबद्वार के लिए किए गए या धंनुष्यात उपाव।
- 18. क्या किसी लेनदार ने कोई विधिक कार्रवाई की है। यदि हो तो समापन याचिकाओं की तथा न्यायालय के ब्रादेश की, यदि कोई हो, प्रति संसाम करें ब्रायवा नवीनतम स्थिति उपविधित करें।
- 19. क्या शासकीय समापक / रिसीवर की नियुक्ति की गई है। यदि हाँ तो न्यायालय के घावेश की प्रति संलग्न करें धवना नवीनतम स्थिति अपविधात करें।
 - 20. कोई धन्य जानकारी जो सुसंगत या लाभवायक समझी जाए।

मैं प्रमाणित करता हूं कि उत्पर वी गई विशिष्टियां और जानकारी भिनितेशों से प्राप्त जानकारी पर आधारित है और विश्वास किया जाता है कि सत्य है।

इतिला वेने वाले के हस्ताक्षर

तवनुसार कम्पनी वरण श्रीक्षोणिक कम्पनी (विशेष उपबन्ध) श्राधिनियम, 1985 की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ण) के अर्थान्तर्गत परण कम्पनी हो गई है।

इतिला देने वाले के हस्ताक्षर

तारी**य** स्थान

सेवा में

सचिव भौधोगिक भौर वित्तीय पुनर्मिर्माण बोर्ड, मई दिल्ली।

प्रकप-ग

(इपया विनियम 19 देखें)

हिष्यण: नीचे वी गई विकिष्यियां अञ्चलन स्थिति वताएगी जब तक कि प्रथनावली में अन्यथा भिदेशित न हो। विक्रीय आंकड़े लाख रुपयों में अपविक्रित करें।

1. श्रीयोणिक क्यमी का नाम

पदा

- (क) प्रवान कार्याजय
- ख) रजिस्द्रीकृत कार्यासय
- (ग) कारखाना या कारखाने।
- 2. (क) कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कंपनी क रिजस्ट्रीकरण का संख्यांक और तारीख और वह राज्य जिसमें रिजस्ट्रीकृतहै। रिजस्ट्रीकृत प्रमाणपद्ध की प्रति संलग्न करें।
 - (च) कारवामा मधिनियम, 1948 के प्रधीन सभी कारवानों/कारवाने का राजस्ट्रीकरण संब्याक तथा तारीख और वे राज्य/वह राज्य जिनमें/विद्यमें राजस्ट्रीकृत हैं/है।
 - (ग) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधील अनुपूचित उद्योग/उद्योगों का बीर्यंक/उपशीर्यंक जिस्से विनिर्मित या विनिर्मित किए जाने के लिए अस्तावित वस्तु (वस्तुएँ) संवैधित हैं।
 - (य) उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 के प्रधीन रिजस्ट्रीकरण या प्रनुक्रित का संख्याक और तारीख/योध कंपनी सक्तिकी विकास महानिदेशालय के पास रिजस्ट्रीकृत है तो सकतीकी विकास महानिदेशालय के पास का रिजस्ट्रीकरण संख्यांक कीर तारीज की सप्तिकार की जानी चाहिए।
 - (♥) क्या उद्योग (विक.स भीर विनियमन) ब्रक्षिनियम, 1951 की भारा 3 के खंड (कक) के बन्तर्गत ब्रानुवर्गिक शीद्योगिक वपश्रम हैं।
 - (च) नया खडोग (विकास और विनिधान) अधिनियम, 1951 की आदा 3 के खंड (अ) में यथा परिभाषित सबु औद्योगिक उपक्रम हैं। कृपया संबंध तथा मजीनरी में विनिधान का उल्लेख करें। क्या स्थामित्व के निबंधमों पर अथवा पट्टे पर अथवा (अवक्रयण से पहले) आड़ा क्रय पर आदित हैं।

3. (ক)	संप्रवर्तक/संप्रवर्तक	ॉका/केनाम और प	नता/पर्वे			
(a t)	सभी वर्गों के क्षेप	रों की मेयरधारण प	হ বি :			
(i)	संप्रवर्तक					
(ii)	सहयोगी					
(iii)	लोक विसीय सं	स्या (संस्थाबार)				
				î	ोगी है /सियंकी कंघनी/समृह	्पनी है ।
				·		
4. सेस्टर	ः प्राध्वेध/संयुक्त	1				
5. (斬)	निवेशकों के नाम	ातपा अनके मय तन	पते :			
	(उपविशित करें:	क प्राध्यक्ष, चा पूर्णक	हालिक निवेशक जिनके अंतर्ग	तप्रबंध निवेशक भी है गनाम	ा निर्देशिती (निरेशक)	
(4)	मुख्य कार्यपालक	कानाम भीर पता	(चाह्ने किसी भी नाम से जात	1 8 7)		
6. (軒)	कंपनी के एजिस्ट्री	करण से कारवार वि	ज्याकलाप का मुक्य के क			
(🗷)	भन्य समनुषंगी ।	कारबार कियाकलाप				
७. स्या	ऐसी कंपनी है जि	सको एकाधिकार स [्]	था सवरोधक स्थापारिक ५४४	हार मधिनियम जागू होता है	1	हां/नहीं
		•				
8. चया प	रसा कपना हु, ज	सिका विवशा मुद्रा	विनियमन ग्रीविनियम लागू	€iai €		इ ौ/न हीं
9. विसीर	प स्थिति (दो <i>वं</i> वि	तम लेखापरीक्षित तुर	मनपर्कों के अनुसार)			
	पायित्य	কী	की	भास्तियां	को	भी
₩.	समावस पूंजी				भः नियतं भास्तिया	
4 .	भारकितियां				छ. चालू से भिन्न शास्ति	री
म. _	कालिक बायित्व				ज. चालू घास्तियां स. चालू	
Ψ	चासू दायित्व				झ. ग्रम्य अ. लाभ जीरहानि लेख	ा स्टीनधेस व
V.	भन्य				म लाम जार हान सब	
, 4	नोइ				भोड़	,
						·
कृपया न	तिम छह वर्षों के	तिए, जिनके अंतर्ग	ति निर्वेश के प्रधीन वर्षे भी	है, दुलन-पन्न और लाभ तथा	हिंगिनेकाओं की (लेट	ग प रीक्षित/पन न्तिम)
तिया प्रस्तुत	फरें ।		·			
10 প্রিদ	ादो दर्घीके लिए	्नकष हानियां (श्रथ	शीत सबक्षयण के पूर्व किस्सू व	याज प्रभारित करमे के पश्चात्))	
			-, -	नीय वर्ष के लिए		
(2)				त हुए विज्ञीय वर्ष के लिए		——-स्पप
				,		
	•	<u>-</u>	क्षिण खपबंध अधिनियस, 19	95 की भारा 3(1) (ण) (i	i) स्पन्धीकरण में यथा परि	त्मावितः)
, ,	उण्यतम गुद्ध मा					•
(u)	भाग्तम । नत्ताय ।	वर्ष के अं त में शुक्का	मा। सम्बद्धाः			
12. 441	र्वव हो गई है या	कार्य कर रही हैं				
(मसं	ोक सं धंस/ए कक/प्रभ	ाय की स्थिति जिलि	विष्य भी भाए)			

_	
- 1	1

	T	w	म्	, 4		¥		च	ন্ত	
वैक का	माम	कामकाज पूंची सीमा वकाया रकम	कामकाज पूंजी कालिक उधार	निधिक स्थाज		काशिक उधा	. कुल <i>ा</i>	काया रकम	ग्रनियमितवा	
			मूल रकम		बकाया रक्तम	मूल र	हम चकाय	ा रक्ष म		
					मूल	रकम	<u>.</u>			
नोक्										
			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·							
	1.4. कारि का नाम		स्थाओं को शोध्य (दियो मूल रकम	र्टकरने वाली	भंपनी द्वारा वि	निविष्ट की आं	वानी हा	ल की तारीख	से संबंधित होने प ाहि	- ξq
				र्टकरने वाली	कंपनी द्वारा वि		ग वाजी हा स्थाज	त की तारीख मुल्हान		E V.
	कानाम		मूल एकम	र्टकरने वाली	भंपनी द्वारा वि	अकाया			ण्यतिऋम	
	का नाम	7	मूल एक म पैक	र्टकरने वाली	भूपनी द्वारा वि	अकाया			ण्यतिऋम	(q
	का भार 1. भारत 2. भारत	र रीय भौद्योगिक विकास व	मूल एकम पैक प्रवैक	र्टकरने वाली	क्षंपनी द्वारा वि	अकाया			ण्यतिऋम	EQ .
	का नाम 1. मारत 2. मारत 3. मारत	त रीय भौद्योगिक विकास वं डीय भौद्योगिक पुनर्तिर्भाष	मूल एकम पैक प र्वेक गर्म	र्टकरने वाली	भौपनी द्वारा वि	अकाया			ण्यतिऋम	- P3
	का भारत 1. सारत 2. मारत 3. मारत 4. भारत	तिय भौद्योगिक विकास व डीय भौद्योगिक पुनर्तिर्धाः तीय भौद्योगिक विक्त कि तीय भौद्योगिक प्रत्यय स	मूल एकम पैक प र्वेक गर्म			स्रकाया मूसधन			ण्यतिऋम	E Q

- (क) प्रबंध संबंधी समस्याएं
- (भ) कत्वादन संबंधी और सकतीकी समस्याएँ
- (भ) विपणम संबंधी कठिनाइया
- (व) विसीय समस्याएं
- (क) पर्याप्त अवसंख्यना की कवी
- (च) कच्ची सामग्रीकी कमी
- (छ) सरकारी नीतियां
- (अ) अस्य कारण विनिविष्ट किए जाएँ।
- 16. मुसंत्रत विक्तिय वर्ष के लिए कंपनी के सम्यक् रूप से संपरीक्षित लेखाओं को अंतिन रूप देने की शारीख (सर्यौत् कंपनी की वार्षिक साधारण वैउत्त कीतारीख जिसमें कंपनी के सम्यक् रूप से संपरीक्षित वार्षिक लेखे उस विक्षीय वर्ष के लिए, जिसके अंत में मुद्ध मालियत ठीक पूर्वेवर्ती पांच विक्तीय वर्षों के धौरान उच्चतम मुद्ध मालियत के 50 प्रतिशत तक या उससे कम हो गई थी, अनुमोदित किए गए थे।
- 17. यह सारीख जिसको शुद्ध मासियत के छास पर विचार करने केप्रयोजन के सिए कॅपनी के जेयरघारकों की साधारण बैठक संयोजित किए जाने का प्रस्ताय किया गया है।
 - 18 कोई यस्य जानकारी जो सुसंबत या नाभवायक समझी जाए।
 - में प्रमाणित करता हु कि उसर दी गई विक्रिप्टियों भीर जानकारी यभिसेकों से प्राप्त जानकारी पर श्रास्थारित है. भीर विश्वास किया जाता है कि सस्य 🥫

तस्वासर

रिपोर्टकरने वाली कंपनी के लिए और उसकी और से प्राधिकृत मंदिकारी का नाम और परनाम

श्वारीख स्याग

सेवा में,

सन्तित, औद्योगिक और विसीय पुनर्निर्माण वोर्ड, नई स्थि।

थि. यु. एराडि संचित्र

BOARD FOR INDUSTRIAL AND FINANCIAL RECONSTRUCTION

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 1989

No. 1(3)/BIFR/BC/88:—In exercise of the powers conferred by section 13 of the Sick Industrial Companies (Special Previsions) Act, 1985 (1 of 1986), the Board for Industrial and Financial Reconstruction hereby makes the following regulations further to amend the Board for Industrial and Financial Reconstruction Regulations, 1987, namely:—

- 1. (1) These regulations may be called the Board for Industrial and Financial Reconstruction (Amendment) Regulations, 1988.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Board for Industrial and Financial Reconstruction Regulations, 1987-
 - (a) in regulation 19,-
 - (i) in sub-regulation (1), for the words "ten further copies thereof", the words "five further copies uncreof along with four copies each of all the enclosures therete" shall be substituted;
 - (ii) in sub-regulation (2), for the words "ten further copies thereof", the words "five further copies thereof along with four copies each of all the enciosures thereto" shall be substituted;
 - (b) for Forms 'A', 'B' & 'C', the following forms shall be substituted, namely:-

FORM A

(See Regulation 19).

(Note: Particulars given below shall give the position as on the date unless otherwise directed in the questionnaire, Indicate financial figures in lakhs of rupees).

- 1. Name/Designation and address of the informant:
- 2. Name of the Industrial Company.

Address: .

- (a) Head Office
- (b) REGISTERED OFFICE
- (c) Factory or Pactories
- 3. (a) Number and date of registration of the company under the Companies Act, 1956 and the State in which registered, A COPY OF REGISTRATION CERTIFICATE TO BE ENCLOSED.
 - (b) Number and date of registration of all the FACTORIES/Factory under the Factories Act, 1948 and the States/State in which registered.
 - (c) The HEADING/SUB-HEADING of the scheduled industry or industries under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 to which the article(s) manufactured or proposed to be manufactured relate(s).
 - (d) Number and date of registration or licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951. In case the company is registered with DGTD, the number and date of registration with DGTD should also be indicated, COPY OF REGISTRATION CERTIFICATE OR LICENCE TO BE ENCLOSED.
 - (c) Whether ancilliary industrial undertaking within the meaning of clause (as) of section 3 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

 YES/NO
 - (f) Whether a small scale industrial undertaking as defined in clause (j) of section 3 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951. Please indicate investments in plant and machinery whether held on ownership terms, or by lease or by hire purchase (before depreciation).
 YES/NO
- 4. (a) Name(s) of the promoter(s) and his/their address(es)
 - (b) Share holding pattern OF ALL CLASSES OF SHARES AMOUNT % OF AGGREGATE PAID UP CAPITAL
 - (i) Promoters
 - (ii) Associates
 - (iii) Public Financial Institutions

(INSTITUTION-WISE)

-DQ-

- (iv) State level institutions
- (v) Banks (Bankwise)
- (vi) General Public
- (c) Details of 10 largest shareholders, (Against each, please indicate whether promoters/Associates/holding company/Group Co.)
- 5. Sector : Private/Joint

Total

10		THE CAMELLE OF INDIA		•
				S (Indicating A. Chairman B. Whole-time Directors includi
	(b)	Name and address of Chief Executive by whatever nam	e că	àlled.
7.	(a)	Main line(s) of business activity SINCE REGISTRATIO of Association.	MC	OF THE COMPANY. Please furnish a copy of Memorandu
	(b)	Other subsidiary business activity.		
8.	Wh	ether MRTP Company		Yes/No
		ether FBRA Company		Yes/No
	Wh	-		address of the holding company, ITS NATURE OF BUSINES.GEMENT ETC.
11.	Car	oital Structure:		Number Value Total
•	_	Authorised Capital Preference shares Ordinary Shares I class of shares:	Defe	erred Shares Any other
	(ii)	Issued Capital Proference shares Ordinary shares Defe of shares:	rrec	d shares Any other class
	(111)	Paid up Capital Preference shares Ordinary shares Defe of shares:	rrec	ed shares Any other class
12.	NA OF	ME(S) AND ADDRESS(ES) OF ALL CAOMPANIES ACTIVITIES AND FINANCIAL POSITION AS PER	IN LA	N THE GROUP/HOUSE/ASSOCIATES, THEIR NATUR AST AUDITED balance sheet (Company-wise)
		PAID UP CAPITAL		-
		NET WORTH		
		SALES		
		NET PROFIT	ו זישר	ITIONE
		BORROWINGS FROM PUBLIC FINANCIAL INSTIBORROWINGS FROM BANKS	LLU	JIONS
				•
13.	RJ	ESERVES AND ACCUMULATED LOSSES	ـــــــــــــــــــــــــــــــــــــ	- Fith Cials Industrial Communica (Guardal Browlein no) Act 105
		Other Reserves (in terms of section 3(1) (a) explanation (if Other Reserves (nature and nomenclature of each Reserves)		of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 198
		Accumulated Losses AS PER LATEST BALANCE SH		
	(lv)	ACCUMULATED LOSSES, AFTER ACCOUNTING	FC EX	OR ALL ARREARS OF DEPRECIATION, ACCRUED IN EXPENSES, IF ANY. DETAILS OF ALL SUCH UNPROVE
		ncial position (As per the last two audited Balance Sheet		·
	biliti biliti			. Assets. As onAs on
			F.	Fixed Assets:
B. Re			G.	. Non current Assets:
C. Ter	m Li	abilities:	H.	. Current Assets:
		Liabilities:	1.	Others:
E. Otl	hers:		J.	P&L A/C Bal:
Total .			Tot	otal
	of th	of finalisation of duly audited accounts of the company for	or th	the relevant financial year (i.e. data of Annual General Meeting financial year at the end of which net worth became zero of
16.	(i) F	duly audited:		silable for the LATEST two year(s) in case they have not bee
	biliti	les As onAs on		SSETS As onAs on
		Capitari		Fixed Assets:
	servo		G.	
C. Ter	m L	labilities:	H.	Current Assets:
D. Cu	rrent	Liaonnie.	I.	Others:
E. Oth	hers:		J.	P&L A/C Bal:

Total

⁽ii) Date on which B oard of Directors of the Company formed opinion after 15-5-87 about the company having become sick.

A COPY OF THE RELATIVE BOARD RESOLUTION PASSED IN THE BOARD OF DIRECTORS' MEETING TO BE ENCLOSED.

- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	before depreciation but after charging for the financial	· ·	_		
	for the financial	_			
Note: Please confirm	that up to Date Interest charges, wages, Expenses have not been Provided for, item	Statutory Dues a	nd all Expenses	have been fully Therefor should	taken into Account
	fined in section 3(1) (0), Explanation (ii				
	orth and the year;		•		
(b) Net worth	at the end of last financial year;				
19. Whether closed	or working:				
	Plant/unit/division to be specified)				
· ·	ual Banks: (as on a recent date to be s	pecified by the in	formant)		
(a)	(b)	(c)			(d)
Name of Bank	Working capital limit/outstanding amount	Working capita	i term loan	Funded Int	erest
		Original amount	Outstanding amount	Original amount	Outstanding amount
(c)	<u>(1</u>	f)	*	(g)	
Term Loans	Total outstanding	amount	I	regularity	•
Original amount (Outstanding amount			•	
Total: 21. Dues to Term le	nding Institutions: (as on a recent date	to be specified by	y the informant)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
Name of Institution	Original amount	Outstanding		Default	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
		Principal	Interest	Principal	Intcrest
1. I.D.B.I.	بين وينه ومن ومن مين هند هند وين _{وست} ومن مين مين وين وين وين وين وين وين وين وين وين و			·	
2. I.R.B.I.					
3. J.F.C.I.					
4. I.C.I.C.I.					
5. Others-SFCs SIDCs	,-				
Etc. (Specify Institution	ns Individuaily)				
Total:					
22. Deferred credits	ifany:				
Name of Institution/Bank	Amount	Outstanding		Defaul	t
23 Raction Ringnesia	Institutions/Collaborators		Princip	pal	Interest
Name of Institution/Bank		Outstanding		Defat	ılt
			Princip	al	Interest

en B	24. Statutory Liabilities (as on a recent dat F Arrears-total Out of the above, amount ded aployees but not deposited— SI Dues xeise Arrears	•	informan	it)				
S: El	ales Tax Arrears ecfricity Duty Arrears thers—Specify							
	25. Total Contingent Liabilities, if Any	(As on a recent date	to be spec	ified by the	e informant			
(Out of above, amount likely to mature, in the of		_					
	26. Fixed Deposits as on a Recent Date (to							
		Amount	Outsta	nding		Defa	ults	
					District		Interest	
	(i) From public(ii) From shareholders/directors(iii) From others (Specify)				Principal		Wielest	
	27. Other Unsecured Loans as on a Recent	date (to be specified	by the info	rmant)				
		Amount	Interes		Amount o	f Interest]	Fallen Due	but not
	(i) From Promoters and Associates							
	(ii) From Others (Specify)							
	28. Sundry Creditors as on a Recent date (to (i) Firm:/Companies/fadividuals Having F (Give details) (ii) Others (Specify)		•	with the P	romoters/ Mi	ana z ement	Amount	t
	29. Sundry Debtors as on a Recent Date (to(i) Promoters and Associates(ii) Others (Specify)	be specified by the in	iformant)	•			Ampun	t
	30. Total income for last five years (to be ind year)	icated separately for	each	Ycar	Year,	Ycar	Year	Year
	(i) Sales of Products (ii) Other Income (Specify) (iii) Total							
31.	Gross Profit/Loss Before Interest, Deprecia Years. (to be indicated separately for each ye		Last Five	Ycar	Yen:	Year	Year	Year
	(i) Interest							
	(ii) Depreciation							
	(iii) Taxes (iv) Net Profit/Loss							
	(Copies of Balance Sheets for the Last F	rive Years to be Encl	losed.					
32.	Adjusting the made in Respect of past Liabili Reasons Therefor.			c. Mad: Y	ear-wise for	Last Five	Years and I	Detailed
33.	Manufacturing activities:		1					
	(a) Whether continuous or shift operation							
	(b) Number of shifts generally worked.							
	(c) Number of working days in a month/yea	r.						
34.	Annual capcity Name of the products		Licens	ed		Install	eđ	
	(a)							
	(b) (c)							
1 5.	Past production including by-products during	the last five years.						
	Name of the Products or By-products	•						
•	(a) Quantity (b) Value			Year	Year	Year	Year	Year

								
35.	Physical supacity utilisation,	material and iabout cost durin	g the last five	Year	Year	Your	Year	Year
	yoare:							
	(Figure should relate to the p	osition at the end of the year).						
	(a) Break even point							
	(b) Cash break even point							
	(c) Porcentage of capacity uti	lisation						
	(d) Material cost as percentag	to of output						
	(e) Labour cost as percentage	of output						
	(f) Total down time as percent	age of total available time						
	(g) Interest cost to operating co	98 1.						
37.	Working capital and its financi	ing during the last five years (I	Figures -	Year	Year	Year	Year	Year
	should relate to the position at t	the end of the year).						
	(a) Total working capital	,						
	(b) Working capital as percent	age of output.						
	(c) Working capital financed b	y:						
	(i) Internal resources							
	(ii) Borrowed fund(s)							
•	(iil) Sundry creditors							
33. 1	nventory Break up at the end o	foach of the last five years:		Year	Year	Year	Year	Your
	(a) Raw material							
	(b) Stores and spares							
	(c) work in progress							
	(d) Finished products							
	(e) Sundry debtors.							
39. F	fund position as at the end of ea	ch of the last five 3						
	(a) Cash in hand							
	(b) Cash in Bank							
	(c) Cash Credit utilised							
	(d) Cash overdraft limit							
((e) Sale Bills Discounted							
	ources of Financing cash Loss a (a) Non Payment of Overdue In		cified by the info	rmant).				
	 b) Non Payment of Overdue In 	· ·						
-	c) Non Payment of Statutory I							
	d) Non Payment of Workers' I							
•	e) Sale of Assets							
(f) Irregularity in Bank Accoun	ts						
Ú	3) Loans (Sources to be Indicat	ed)						
(1	n) Any Other Source (to be spec	cified)						
41. O	rders position as at the end of th	ie last financial year:						
-	a). Orders in hand							
_	b) Orders Under Execution							
(0	c) Orders attempted but not mai	torialisod.						
12. Sta	aff or labour omployed	Head Office Pa	ctory	Od	or Establi	hmont	Total	
	a) Managorial							
(р) Supervisory—							
,	Tachnicai-Non-Technical							
(¢) Clerical							

- (d) Labour
 - Skilled
 - Semi-skilled
 - Un-skilled
- (e) Other categories

(If closed state Position, Regarding the Staff/Labour Last Employed).

- 43. (i) Is there any surplus Labour, if so the Number thereof, Division wise/Unit wise.
 - (ii) Has any Rationalisation proposal been Discussed with the Trade Unions? If so, the outcome?
- 44. Names (And Registered office: Address) of the Recognised trade union/Presidents & Secretarics
- 45. Technical Health of Plant and Machinery
 - (i) Is Maintenance upto Date?
 - (ii) Are there Frequent Breakdowns of Machinery?
 - (iii) Reasons for Utilisation of Capacity Below Breakeven level.
 - (iv) Percentage of Rejection of finished products
 - (v) Are Major Replacements of Machinery/Additions to Machinery considered necessary? If so give details Including cost and bonofits—when was last Modernisation Carried out—Details to be Furnished.
- 46. Can the Technology Employed be considered Adequate or is there any need for Upgradation?
- 47. State of Domand for Company's Products-Identify Internal and External Constraints.
- 43. Has any Recent Market Survey of Demand for Product(s) Been Conducted with what Results?
- 47. Does Company Have any Proposal for Diversification of the Product range as a means of Restoring Viability? give Details.
- 50. Is Marketing/Part Operation/Part Processing done by a Separate Company under Promoter Control...Give Details. Including Financial Assistance given to as also Amounts due from that Company.
- 51. Are there any specific Govt. (Contral or State) Policies or Actions which have Contributed to the Sickness of the Unit (e.g. Tardf Anomalies, Donial of Power, Import Policy, etc.) What Government action can help Revival?
- 52. Are there any Surplus Assets of the Company which Could be sold, and the Realisable value Thereof?
- 53. What is the Maximum Amount of Finance that Promoters can put into a Revival Package.
- 54. Is there scope for Considering Amalgamation of the Sick unit with a Healthy unit.
- 55. Have Particular Aspects of Sickness of the Company of any needs of Assistance been Discussed with Central/State G vt? Give Details, Including their Reactions.
- 56. Reasons for sickness according to Informant-
 - (a) Managerial problems
 - (b) Production and Technical problems
 - (c) Marketing Difficulties
 - (d) Financial Problems
 - (e) Lack of Adequate Infrastructure
 - (f) Shortage of Raw Material.
 - (g) Govt. Policies.
 - (h) Other reasons to be specified.
- 57. (1) Whather it is possible to make not worth positive within a reasonable time.
 - (ii) If 50, furnish a note separately indicating steps required to be taken for that purpose. The note should inter-alia contain steps taken for capacity utilisation, reducing material component of total cost and inventory of all types, reducing debts, in creasing, orders, reducing losses, improving cash position and other relevant techno-economic details.
 - (iii) Further assistance for modernisation or rehabilitation proposed;
 - (iv) Whether any legal action already initiated by any creditor/whether already declared a relief undertaking.

 If legal action initiated., copies of all suits, binding up petitions court orders passed from time to time the ein should be furnished.
 - (v) Has Official Liquidator/Receiver been appointed in any winding up petition and if so copy of relative court orders should be furnished.

58. Any other information considered relevant or useful:

I do hereby certify that the particulars and information given above are based on information derived from records and believed to be true.

Signature of Informant

The company has, accordingly, become a sick industrial company within the meaning of clause (o) sub-section(1) of section 3 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985.

On behalf of the Board of Directers of the company and duly authorised in that behalf, I hereby make a reference under sub-section (1) of Section 15 of the Act, and request the Board for Industrial and Financial Reconstruction for determination of the measures which shall be adopted with respect to the company.

Signature and designation of Informant

Date:

Place:

To

The Secretary,

Beard for Industrial and Financial Reconstruction. Ansal Chambers-II

Bhikaji Cama Place,

New Delhi-110 066.

Note:—Particulars given below shall give the financial figures in lakhs of rupecs).

- 1. Name/Designation and address of the informant:
- 2. Name of the Industrial Company.

Address:

- (a) Head Office
- (b) REGISTERED OFFICE
- (c) Factory or Factories.
- 3. (a) Number and date of registration of the company under the Companies Act, 1956 and the State in which registered, A COPY OF REGISTRATION CERTIFICATE TO BE ENCLOSED.
 - (b) Number and date of registration of all the FACTORIES/Factory under the Factories Act, 1948 and the States/State in which registered.
 - (c) The HEADING/SUB-HEADING of the Scheduled industry or industries under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 to which the article(s) manufactured or proposed to be manufactured relate(s).
 - (d) Number and date of registration or licence under the Industries (Devlopment and Regulation) Act, 1951. In case the company is registered with DGTD, the number and date of registration with DGTD should also be indiated; COPY OF REGISTRATION CERTIFICATE OR LICENCE TO BE ENCLOSED.
 - (e) Whether ancilliary industrial undertaking within the meaning of clause (aa) of section 3 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

 YES/NO
 - (f) Whether a small scale in instring undertaking as defined in clause (j) of section 3 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951. Please indicate investments in plant and machinery whether held on ownership terms, or by lease or by hire purchase (before depreciation).

 YES/NO

4.	(a) Name(s) of the prometer(s) and his/their address(cs)									
	(b) Share holding pattern OF ALL (i) Promoters	CLASSES OF SHARES	AMOUNT	% OF AGGREGATE PAID UP CAPITAL						
	(li) Associates.									
	(iii) Public Financial Institutions		INSTIT	UTION - WISE)						
	(iv) State level institutions		`	-DO-						
	(v) Banks (Bankwise)									
	(iv) General Public.									
		s, (Against each Plesse indiate whether I	Promoters/Associates/Holding Co.,	G:cup Co.)						
5.	Sector : Private/Joint									
6.		test addreses:								
	(Indicating A. Chairman.									
	B. Whole-time Directors include	ing Managing Director,								
		C. Nominer Directors)								
,	(b) Name and address of Chief Exe	cutive by whatever name called.								
7.	(a) Main line of business activity since Registration of the company.(b) Other subsidiary business activity									
8.	Whether MRTP Company	Yce/Nc								
9.	. Whether FERA Company	Yes/No								
10	0. Financial position (As per the last	two audited Balance Sheets)								
•	Liabilities: As onAs on	-Assets As onAs on								
	A. Paid-up Capital:									
	B. Reserves:									
	C. Torm Liabilities:									
	D. Current Liabilities:									
	E. Others:									
	F. Fixed Assets									
	G. Non-Current Assets:									
	H. Current Assets:									
	I. Others:									
	J. P&L A/C Bal :									
То	otal	7	[otal	_						
(CC	OPIES OF BALANCE SHEETS FOR	LAST FIVE YEARS TO BE ENCLO	SED IF AVAILABLE)							
11	. Cash Losses (i.e., Losses before depr	ociation but after charging interest) for	r the last two years:							
	(1) Re.——for the Financial y		- 101-195 - 1110 J - 115 - 1							
	(2) Rs.——for the Financial									
12.	. Net worth (as defined in Section X 1)	(0), Explanation (ii) of th Slok Industr	ial Companies (Special Provisions) Act 1985)						
	(a) Peak Net worth and the year :			•						
	(h) Net worth at the and of last fine	ncial mar								

	ther close or we ion of each Piar	rking : nt/unit/Division to	o be specified).					
	to Individual Ba n a recent date t	anks : to be specified by	the informa	at)					
(a)	(b)	(c)		<u> </u>	(d)		(c)	(t)	(g)
Name of Badk	working Capital limit outstanding amount.	Working Capits Original o amount	uistanding		Intersest outstanding amount	Term Loa Original amount	n outstanding amount	Total out standing amount	Irregula- rity
Total	***		·	*	ylysmalys or generalysa odna store store	,	*·····	- mer deger-ride, aran barra a- dan ar da ana aran	,
15. Dues	to term lending	Institutions (& c	on a recent d	ato to bo s	ocified by the	informant)	 	,	**************************************
Name of Institution Original amount		- 4 	Outstanding		Default				
,			Principal		Interest	Prin	ıcipal	Interes	
1. I.D.B. 2. I.R.B. 3. I.F.C. 4. I.C.I.6	I. I. C.I.	etc. (specify ins	titutions indi	vidnelly)		***************************************		<u> </u>	
Total		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		_					<u></u>
16. Reaso		according to inf			*****		-	***	
	anagerial Probl roduction and f	ems' Fechnical Proble	tura						

- (c) Marketing Difficulties
- (d) Financial Problems
- (e) Lack of adequate Infrastructure
- (f) Shortage of Raw materials.
- (g) Govt. Policies.
- (h) Other reasons to be specified.
- 175 Measures taken or contemplated for revival:
- 18 Whether any logal action already, initiated by any creditor. If so, furnish copy of winding up petitions and copy of court order, if any, or indicate the latest position.
- 19. Whether official Liquidator/Receiver appointed.

 If so, furnish copy of court order or indicate the latest position.
- 20. Any other information considered relevant or useful:

I do hereby certify that the particulars and information given above are based on information derived from records and believed to be true.

24		THE GAZETTE OF INDIA EXTRAORDINARY	[PART III—SEC.
3 of t	The he	to company has, accordingly, become a sick industrial company within the meaning of class Sick industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985.	use (c) of sub-section (1) of section
Act to	o th	n bohalf of, and duly authorised, I hereby make a reference und the Board for Industrial and Financial Reconstruction for determination of the measures w	er sub-section (2) of section 15 of th which may be adopted with respect t
the c	om	трапу.	
Date	:		Signature of Informant
Place	e :	:	
To			
	The	e Secretary,	
1	Boa Fin	pard for Industrial and inancial Reconstruction, ew Delhi.	
		FORM C	
		(See Regulation 36)	
N)to	:	Particulars given below shall give the position as on the date unless otherwise directed cial figures in lakks of rupoes).	in the questionnare, Indicate finan
1.]	Nai	ame of the Industrial Company.	
		idress :	
	(a)) Head Office	
	(b)) REGISTERED OFFICE	
((c)) Factory or Factories	
2.	(a)	Number and date of registration of the COPY OF REGISTRATION CERTIFICATE TO BE ENCLOSED.	
(b)	N	Number and date of registraton of all the FACTORIES/Factory under the Factories Act registered.	, 1948 and the States/State in which
`((c)	The HEADING/SUB-HEADING of the the scheduled insdustry or industries under the lation) Act, 1951 to which the article(s) manufactured or proposed to be manufactured.	Industries (Development and Reguled relate(s).
((d)	Number and date of registration or licence under the Industries (Development and Regularly is registered with DGTD, the number and date of registration with DGTD should also TRATION CERTIFICATE OR LICENCE TO BE ENCLOSED.	lation) Act, 1951. In case the com Isobe indicated: COPYOF REGIS
((v)	Whother ancilliary industrial undertaking within the meaning of clause (aa) of section and Regulation) Act, 1951.	of the industries (Development YES/NO
((f)	Whether a small scale industrial undertaking as defined in claute (j) of section 3 of Regulation) Act, 1951. Please indicate investments in plant and machinery whether he lease or by hire purchase (before depreciation).	of the Industries (Development and eld on connership terms, or by YES/NO
3. ((a)	Name(s) of the promoter(s) and his/their address(es)	1
((ъ)) Share holding pattern OF ALL CLASSES OF SHARES	AMOUNT % OF
		· .	AGGREGATE
			PAID UP
			CAPITAL

(l) Promotors

(li) Associates

(iii) Public Financial Institutions

(INSTITUTION-WISE)

-do-

(iv) State level institutions

- (v) Banks (Bankwise)
- (vl) Gonoral Public.
- (c) Details of 10 largest shareholders (Against each please indicate whether Promoters/Associates/Holding Co. Group Co.)

4. Sector:	Private/Joint					
		and their latest addresses:				
•	ng A. Chairm		otor			
•		ors including Managing Direct	C(O) .			
	nee Director		** *			
` *		s of Chief Executive by whatever				
6. (a) Main	line of busine	ess activity since Registratic n o	f the company (b) Other	r subsiciery business ac	tivity.	
7. Whether	MRTP Com	pany: Yes/No				
8. Whether	FERA Com	pany: Yes/No				
9. Financia Laibilities:	l position as:	per the last two audited Belanc —As on ——Assets	e Sheets.,, : As on-	andrew As on-	makan ma	,
	up Capiial		F. Fixed Assets			
B. Reser			G. Non-Current Ass	sets		
C. Tern	n Liabilities	· (1)	H. Current Assets			
D. Curr	ent Liabilitie	3	I. Others			
E. Othe			J. P&L A/c. Bal. :			
Total	•	Tota	al			
Please furnis	h copies of B	llance sheets and P&L A/Cs fo	r the last six years incl.	year under reference (A		
		ess before Depreciation but aft				
		for the Financial year of				
٠,		for the Financial year				
	,	in Section 3(1)(0), Explanation	n (ii) of the sick Industri	al Companies (Special F	rovisions) Act,	1985]
		and the year:				
(b) Net	worth at the	end of last financial year :				
	r closed or w		, 8		4	
		nt/unit/Division to be specified)				
13. Dues to	individual B	anks (As on a recent date to be	specified by reporting (Company)		
(a)	(b)	(c)	(d)	· (e)	(f)	(0)
		on the same sure that the same s				
Name of	Working	Working Capital Term Loan	Funded Interest	Tem Leaps	Total	Irregularity
Bank	Capital	Original outsianding	riginal outstanding	Original outstand	- outstanding	JA16J
	standin3 amount	amount amount	amount amount	amount amount	ng angount	
والمعاملة والمنطالة	ما العاملات ويستنيد و	ه خوا په دور د معدد له دو خوا د دو او دو	s 1 ma sa mallan co to construction	service and providing a service		
Total:						,
AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE	ment of the Complete Com-		The second community of the second states and the second states are second seco			
		Institutions: (As on a recent	d arms agree religion of generality arms at provide managing an extract of general as	reporting Company	and the sequence of the sequen	
	2.00	riginal Amount	Outstandng	ye - we are broken species where is another with a confidence of the	Default	
		Principal	Interest	Principal	Inter	est
i. l.D.B.I.		and the second s	and the second s	The state of the s	The second secon	attalijas ili ir kristinis delkoromeljinis attalijas ir
2. I.R.B.J.						
3. I.F.C.i.		*				
4. I.C.I.C.I						
5. Others -	SFCs, SIDC	s, etc. (specify institutions ind	ividually)			
Total				and middle in sight of the sigh	t and the high substitution of the second	
311GI/89	4					

- 15. Reasons for Potential sickness.
 - (a) Managerial Problems
 - (b) Production and Technical Problems
 - (c) Marketing Difficulties:
 - (d Financial Problems.
 - (e) Lack of Adequate Infrastructure
 - (f) Shortage of Raw Material
 - (g) Govt. Policies.
 - (h) Other reasons— to be specified.
- 16. Date of finalisation of duly audited accounts of the company for the relevant financial year (i.e. date of annual general receing of the company whereat duly audited annual accounts of the company were approved for the financial year at the end of which net worth delcined to 50% or less of peak net worth during the immediately preceding five financial years.
- 17. Date on which the general meeting of the shareholders of the company is proposed to be convened for purpose of considering the erosion of net worth. Whether minimum 21 days notice given after the AGM.
- 18. Any other information considered relevant or useful.

I do hereby certify that the particulars and information given above are based on information derived from records and believed to be true.

Signature

For and on behalf of the reporting company

Nname and designation of the

authorised officer

Date :

Place:

To

The Secretary, Board for Industrial and Financial Reconstruction New Delhi.

V.U. ERADI, Secy.